ठंड के दिनों में मुर्गी आवास को गरम रखने के लिए कुक्कुट पालक को पहले से सावधान हो जाना चाहिए क्योंकि जब तापमान 10° से कम हो जाता है तब आवास के शीशे से ओस की बुंद टपकती है इससे बचने के लिए कुक्कुट पालक को मजबूत बुर्डिंग कराना तो आवश्यक है ही साथ ही मुर्गी आवास के उपर पैरा या बोरे, फट्टी आदि बिछा देना चाहिए एवं साइड के पर्दे मोटे बोरे के लगाना चाहिए, ताकि वे ठंडी हवा के प्रभाव को रोक सकें।

3. गर्मी के मौसम में प्रबंधन :-

गर्मी के दिनों में निम्नलिखित समस्या प्रभावित करती है :-

1. गर्मी की अधिकता के कारण दाने की खपत में कमी।
2. दाने की खपत कम होने के कारण उत्पादन में कमी।
3. हीट स्ट्रोक (गरमी) के कारण मुर्गीयों का मर जाना।
4. मुर्गीयों का वजन कम होना।

गर्मी के दिनों में मुर्गी आवास एक बंद संदूकनुमा हो जाता है, जिसके उपर गर्म छत, दीवाल, गर्म हवायें एवं पर्दे से बंद खिडकियाँ ऐसी स्थिति में आवास के अन्दर इतनी भयानक गर्मी होती है की मुर्गीयाँ इस गर्मी को सहने मे असमर्थ रहती हैं कड़कनाथ पालक को इससे निपटना बहुत मेश्किल पडता है इसके लिए कड़कनाथ पालक को निम्न उपाय करना चाहिए :-

1. पर्दों को पूरा बन्द नही करना चाहिए, परदों को इतना बन्द करे कि मुर्गी आवास में मुर्गीयों को सीधें लू ना लगे।
2. पर्दा बन्द करने का उद्धेश्य सिर्फ इतना होना चाहिए कि पक्षीयों को लू से बचाया जा सके एवं ठण्डी हवा का प्रभाव बना रहे।
3. यदि आप मुर्गी आवास के अन्दर हो आपके वातावरण में आराम महसूस कर रहे हो तो यह वातावरण मुर्गीयों के लिए अनुकूल है।
4. मुर्गीयों में गर्मी का प्रभाव सुबह 11 बजे से रात 9-10 बजे तक अधिक पडता है एवं दाना खाने के बाद गर्मी का असर और बढ जाता है।
5. पानी गर्मी के दिनों में ठण्डा मिलना चाहिए, हो सके तो दिन के हर पानी में इलेक्ट्राल का उपयोग करना चाहिए।
6. गर्मी के मौसम में दिन के समय दाना कम और पानी ज्यादा पिलाना चाहिए।
7. बोरे के पर्दों को पानी से गीला करते रहना चाहिए।
8. अण्डादेय मुर्गीयों जो कि पिजडों में है को स्प्रे की सहायता से गीला करते रहना चाहिए एवं मुर्गी आवास के उपर शीट में पैरा बिछाकर स्प्रिंकलर ये गीला करते रहना चाहिए।
9. मुर्गी आवास के अन्दर पंखें या एग्जास्ट अवश्य लगाना चाहिए।
10. रात में देर तक व सुबह जल्दी दाना देना चाहिए।
11. मुर्गी प्यासी नही रहनी चाहिए एवं ठण्डा पानी उपयोग में लाना चाहिए।
12. दोपहर के वक्त मुर्गीयों को दाना नहीं देना चाहिए।

कड़कनाथ कुक्कुट आवास की खिडकीयों में परदे लगाने का तरीका :-

जैसा की हम जानते है कि कोई भी आवास हो चाहे वह जानवर का, पक्षी का या आदमी का आवास में यदि स्वस्थ हवा एवं सूर्य की रोशनी आती है तो वह आवास सब से अच्छा माना जाता है।

सोलर कड़कनाथ हेचरी

कड़कनाथ चूजों का उत्पादन

चूजों की ब्रूड़िंग

चूजों का वितरण एवं पालन